कान्हा रास्ता निहारे मेरी अंखिया

कान्हा रास्ता निहारे मेरी अंखिया,
कब आओगे मेरे सावरिया,
मेरी अंखिया कान्हा मेरी अंखिया,
कान्हा रास्ता निहारे मेरी अंखिया....

मीरा के हाथों में ज़हर का प्याला,
कब अमृत बनाओगे मेरे कन्हैया,
मेरी अंखिया कान्हा मेरी अंखिया,
कान्हा रास्ता निहारे मेरी अंखिया....

बीच सभा में द्रोपदी रोवे,
कब लाज बचाओगे मेरे कन्हैया,
मेरी अंखिया कान्हा मेरी अंखिया,
कान्हा रास्ता निहारे मेरी अंखिया....

हाथ जोड़ कर नरसी पुकारे,
कब भात भरोगे मेरे कन्हैया,
मेरी अंखिया कान्हा मेरी अंखिया,
कान्हा रास्ता निहारे मेरी अंखिया....

भक्त प्रलाद प्रभु तुमको पुकारे,
हरदम तेरा नाम उचारे,
कब प्राण बचाओगे मेरे सावरिया,
मेरी अंखिया कान्हा मेरी अंखिया,
कान्हा रास्ता निहारे मेरी अंखिया....

कर्मा तेरी बात निहारे,
बना खिचड़ा तुमको पुकारे,
कब भोग लगाओगे मेरे सावरिया,
मेरी अंखिया कान्हा मेरी अंखिया,
कान्हा रास्ता निहारे मेरी अंखिया....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27681/title/kanha-rasta-nihare-meri-akhiyan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |